लोकतंत्र की आत्मा है - संवाद

हरियाणा संवाद

“ चुनाव में उम्मीदवार की विचारधारा इतनी महत्त्वपूर्ण नहीं है जितना उसका आचरण। : महात्मा गांधी

पाक्षिक 16-28 फरवरी 2022 www.haryanasamvad.gov.in अंक -36

अलविदा..सप्त स्वरों की साधिका

3

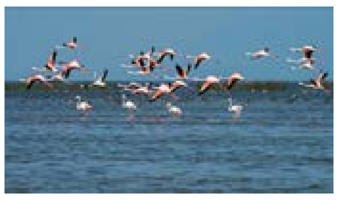

नीले गगन के तले, धरती का प्यार पले

5

केंद्रीय बजटः हरियाणा के विकास को मिलेगी गति

8

सबकी सलाह पर सबका बजट

आज़ादी का अमृत महोत्सव

विशेष प्रतिनिधि

प्रदेश का कोई कोना विकास से अछूता ना रहे इसके लिए प्रति वर्ष बजट से पूर्व सबकी सलाह ली जाती है। मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने लोकतांत्रिक मूल्यों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए प्रदेश में यह नई परंपरा शुरू की है।

मुख्यमंत्री ने तीन वर्ष पहले यह प्रयोग किया था जिसके तहत सभी मंत्रियों, विधायकों व औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े हित धारकों से बातचीत करके आम बजट तैयार करने की परंपरा शुरू की गई थी। पिछले 2 वर्ष में कोरोना महामारी की वजह से प्रत्यक्ष रूप से सुझाव तो नहीं लिए जा सके लेकिन लिखित रूप से जरूर बजट के संदर्भ में सुझाव आमंत्रित किए गए। आगामी वित्त वर्ष के बजट के लिए एक बार फिर प्रदेशभर से सुझाव मांगे गए हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश का कोई भी क्षेत्र विकास से महरूम न रहे, बिना भेदभाव के एक समान विकास हो। गौरतलब है कि दो मार्च को विधानसभा का बजट सत्र शुरू होने जा रहा है।

मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने इस परिप्रेक्ष्य में विगत दिनों बैठकों के जरिए जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, उद्योगपतियों एवं कारोबारियों के अलावा किसानों से परामर्श किया। विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपने बहुमूल्य सुझाव दिए।

विधानसभा में बजट प्रस्तुत करने से पहले कुछ बड़े विभागों से बजट पूर्व परामर्श किया गया है। शहरी स्थानीय निकाय के अलावा स्वास्थ्य, विकास एवं पंचायत, शिक्षा व अन्य विभागों से भी परामर्श किया गया ताकि बेहतर विकासपरक बजट प्रस्तुत किया जा सके।

उद्योगों के साथ जुड़ें हैं रोजगार के अवसर

मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित एक बजट पूर्व परामर्श बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के उद्योगों को प्रगति के रास्ते पर लेकर जाना उनका मुख्य लक्ष्य है। इससे ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे और प्रदेश भी प्रगति की ओर बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि आज उद्योगों में स्किल्ड युवाओं की जरुरत है, हरियाणा सरकार युवाओं की स्किलिंग पर विशेष ध्यान दे रही है। इसके साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्रों में इन्फ्रास्ट्रक्चर, बिजली व अन्य सुविधाओं पर भी जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उद्योगों में हरियाणा के नौजवानों को नौकरियां मिलेंगी तो उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और प्रदेश का भी विकास होगा।

शहरी क्षेत्र के विकास पर पूरा ध्यान

राज्य सरकार इस बार के बजट में शहरी क्षेत्र के विकास पर फोकस करने जा रही है। जानकारी के मुताबिक शहरी स्थानीय निकाय का बजट इस बार 7 प्रतिशत होगा तथा 2 प्रतिशत बजट अलग से कम आय वाली स्थानीय निकायों के लिए रखा जाएगा। स्टांप ड्यूटी के रूप में 2 प्रतिशत बजट निकायों को मिलता ही है, इसके अलावा बिजली के सरचार्ज के रूप में 2 प्रतिशत राशि भी रिजर्व रखी गई है। सभी नगर निगम, नगर परिषद व नगर पालिकाओं में आय बढ़ाने के लिए नई विज्ञापन पालिसी बनाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने हरियाणा निवास पर इस संबंध में बजट पूर्व परामर्श बैठक की जिसमें अनेक जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान के 74वें संशोधन के तहत शहरी स्थानीय निकायों को 18 प्रकार के कार्य करने के अधिकार दिए गए हैं। प्रदेश में अभी इन निकायों को और मजबूत बनाया जा रहा है।

स्थानीय निकायों को बजट तैयार करने के निर्देश

सभी नगर निगम, नगर परिषद व नगर पालिकाएं स्थानीय स्तर पर 15 मार्च से 31 मार्च तक अपना बजट बनाकर उसे मुख्यालय भिजवाने के निर्देश दिए गए हैं। कहा गया है कि बजट में प्रस्तावित आय को अंदाजन न बनाकर वास्तविक आय के अनुसार बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने निकायों को कहा है कि वे अपनी आय बढ़ाने के नए स्रोत तैयार करें।

1200 से अधिक अवैध कालोनी होंगी नियमित

प्रदेश में स्थित अवैध कालोनियों को नियमित किया जाएगा। इसके लिए विकास चार्ज लिया जाएगा। पहले की नियमित करने की शर्तों को अब खत्म कर दिया गया। अब कम विकसित कालोनियों को भी नियमित करवाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने शहरी स्थानीय निकायों के सुधार के संदर्भ में कहा कि उनकी सरकार समाधानों की सरकार है। स्थानीय निकायों में सभी प्रकार की समस्याओं को दूर किया जा रहा है।

भ्रष्टाचार पर रोक लगाना मकसद

उन्होंने कहा कि सरकार ने भ्रष्टाचार की संभावनाओं को रोकने के लिए कई बड़े कदम उठाएं हैं।आईटी का प्रयोग करते हुए ऑनलाइन प्रणाली विकसित किया जा रहा है। विकास कार्यों को पारदर्शी व गुणवत्तापूर्ण ढंग से करवाने के लिए इंजीनियरिंग वर्क्स पोर्टल बनाया गया है।

2 मार्च से शुरू होगा बजट सत्र

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र 2 मार्च से शुरू होगा। इस संबंध में माननीय राज्यपाल और विधानसभा स्पीकर को पत्र भेजा जाएगा। सत्र कितने दिन चलेगा, इसका फैसला बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में होगा।

अवैध धर्मांतरण के खिलाफ बनेगा कानून

हरियाणा गैरकानूनी धर्मांतरण रोकथाम विधेयक, 2022 के मसौदे को स्वीकृति प्रदान की गई। इस विधेयक को अब विधानसभा के समक्ष पेश किया जाएगा। विधेयक में धर्म परिवर्तन पर रोक लगाने का प्रस्ताव है जो गलत बयानी, बल, अनुचित प्रभाव, जबरदस्ती, प्रलोभन या किसी कपटपूर्ण तरीके से या शादी द्वारा या शादी के लिए प्रभावित करता है जो इसे अपराध बनाता है।

भारत के संविधान के अनुच्छेद 25, 26, 27 और 28 के तहत धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी दी गई है जो भारत के सभी नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान करता है। इस अधिकार का उद्देश्य भारत में धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत को कायम रखना है।

ग्रुप सी और डी के पदों पर जल्द होंगी भर्तियां

मनोहर सरकार ने हर हाथ को काम देने के लिए रोजगार की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया है। न केवल राजकीय क्षेत्र में बल्कि निजी क्षेत्र में भी नौकरियों की संभावनाओं को तलाशा जा रहा है। मुख्यमंत्री मनोहरलाल जब भी प्रदेश स्तरीय बैठकें करते हैं रोजगार की बात अवश्य करते हैं। उनका प्रयास है कि प्रदेश का हर परिवार आत्मनिर्भर बने।

प्रदेश के राजकीय विभागों में ग्रुप सी और डी के पदों पर जल्द भर्तियां की जाएंगी। सभी विभागों से पदों की आवश्यकता अनुसार डिमांड भेजने को कहा गया है। इसके बाद हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग को सूचित कर भर्तियों का विज्ञापन निकाला जाएगा और कॉमन एंट्रेंस टेस्ट के लिए पोर्टल खोला जाएगा। अभी तक इस पोर्टल पर करीब 8 लाख रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। जल्द इस प्र िया को पूरा करके टेस्ट आयोजित किया जाएगा और भर्ती की जाएंगी। ग्रुप डी के लिए एक लिखित परीक्षा होगी जबकि ग्रुप सी की भर्ती के लिए आवेदकों को दो लिखित परीक्षाओं से गुजरना होगा।

नौकरियों के संबंध में यह अहम निर्णय हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया है। बैठक में कुल 28 एजेंडे रखे गए। इसमें शाहबाद चीनी मिल को 60 केएलपीडी एथेनॉल प्लॉट की स्थापना के लिए 8.92 करोड़ रुपये के ऋण को स्वीकृति प्रदान की गई। पंजाब डिस्टिलरी नियम 1932 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

स्वतः शुरू हो जाएगी पेंशन

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि दिसंबर महीने की बुढ़ापा पेंशन 7 फरवरी को खातों में डाल दी गई, जबकि जनवरी महीने के पेंशन 8 फरवरी को डाली जा रही है। विलंब होने की वजह के बारे में उन्होंने बताया कि पेंशन को परिवार पहचान पत्र से जोड़ा जा रहा है। भविष्य में पात्र व्यक्तियों को कोई परेशानी नहीं आएगी। इसके अलावा जो भी व्यक्ति 60 वर्ष की आयु पूरी कर लेगा और पात्र होगा तो उसकी खुद ब खुद पेंशन शुरू हो जाएगी।

नंबरदारी में सरबरा प्रथा खत्म होगी

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि 65 वर्ष आयु पूरी कर चुके नंबरदारों का मेडिकल चैकअप होगा। जो भी नंबरदार इस मेडिकल चैकअप में फिट पाए जाएंगे, उनकी सेवाएं ही आगे जारी रखी जाएंगी अन्यथा उन्हें सेवामुक्त कर दिया जाएगा। इसके अलावा नंबरदारी में सरबरा प्रथा को भी खत्म किया जाएगा।

सरस्वती नदी विकास परियोजना को स्वीकृति

हिमाचल प्रदेश और हरियाणा सरकार के बीच सरस्वती नदी जीर्णोद्धार एवं विरासत विकास परियोजना के तहत 388.16 करोड़ रुपये से आदि बद्री बांध के निर्माण के लिए 21 जनवरी, 2022 को हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन को घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की। आदि बद्री बांध, सोम्ब सरस्वती बैराज और सरस्वती जलाशय के निर्माण से 1675 हेक्टेयर मीटर जल का भंडारण होगा, जिससे सरस्वती नदी में 19 क्यूसेक पानी की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित होगी। सरस्वती नदी की उत्पत्ति, अस्तित्व और इसका लुप्त होना जिज्ञासा बना है।

संपादकीय

संकल्पों की दहलीज़ और कर्मक्षेत्र

हरियाणा के मुख्यमंत्री व उनके सहयोगियों की निरंतर व्यस्तता पूरे देश के समक्ष प्रमाणित करती है कि यदि संकल्प हो तो कर्म का क्षेत्र व्यापक रूप में फैला हुआ है। चाहे पर्यावरण हो या 'वर्ल्ड वैटलैंड दिवस' या फिर 'ऑक्सीवन' और पेड़ों को पेंशन देने की विलक्षण योजनाएं, प्रदेश का प्रशासन-तंत्र निरंतर कर्मरत दिखाई देता है।

अब प्रदेश में चार प्रमुख उद्योग-क्षेत्रों में बड़े बदलाव की तैयारी है और शहरी विकास को भी आगामी बजट में प्राथमिकता देने का संकल्प ले लिया गया है।

यह भी संकल्प लेना होगा कि भविष्य में प्रकृति से किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं होगी। उपयोग किया गया पानी जब वैटलैंड में जाता है तो वहां मौजूद पशु व पक्षी उस पानी की सफाई करते हैं और फिर वह पानी दोबारा इस्तेमाल लायक होता है। 'वेटलैंड-डे' भी वस्तुतः संकल्प का ही दिन होता है कि हम प्रकृति से छेड़छाड़ नहीं करेंगे। प्रकृति एक ऐसा विषय है, जिसमें संतुलन बना रहेगा तो हमारा जीवन स्वस्थ रहेगा और हम लंबे जीवन की कल्पना कर सकते हैं। विकास के नाम पर हम कई बार प्रकृति से खेलते भी हैं, लेकिन हरियाणा में उन संस्थाओं की भी प्रशंसा की जानी चाहिए जो प्रकृति को बचाने के लिए अपनी भूमिका निभाती रही हैं।

गत दिनों एक 'नेशनल वेटलैंड एटलस' का भी विमोचन किया गया है। स्पेस एप्लीकेशन सेंटर अहमदाबाद द्वारा तैयार की गई इस एटलस में वर्ष 2011 से वर्ष 2021 तक वेटलैंड में हुए बदलावों को समायोजित किया गया है। नेशनल वेटलैंड पर तैयार की गई एटलस का यह दूसरा संस्करण था। पहला संस्करण वर्ष 2011 में लांच किया गया था। इसके साथ-साथ हरियाणा वन विभाग व वन्य जीव विभाग द्वारा तैयार की गई बर्ड कॉफी टेबल बुक रिलीज की गई है।

जहां-जहां वेटलैंड है, उन स्थानों पर देश और दुनिया से पक्षी आते हैं। हरियाणा में सुल्तानपुर और भिंडावास झील पर हजारों पक्षी दूसरे देश और प्रदेशों से आते हैं। सुल्तानपुर में सौ से अधिक प्रजाति के 50 हज़ार पक्षी हर वर्ष पहुंचते हैं। इसी तरह भिंडावास में 80 से अधिक प्रजाति के 40 हजार पक्षी हर वर्ष आते हैं। भिंडावास में तो 100 से अधिक स्थानीय प्रजाति के पक्षी पाए भी जाते हैं। इन दिनों बहुत से पर्यटक यहां आते हैं। इनके ठहराव को लेकर योजना बनाने पर विचार किया जा रहा है। पिछले दिनों टिक्का रताल के लिए 'होम स्टे' पॉलिसी बनाई गई है। उसी तर्ज पर इन दोनों झीलों के आसपास के गावों में भी होम स्टे का प्रावधान होगा।

हरियाणा में तालाबों के कायाकल्प के लिए पहले ही हरियाणा तालाब और अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण बनाया गया है। प्रदेश में लगभग 18 हजार तालाब हैं। पहले तालाबों में सिल्टिंग होती थी और चिकनी मिट्टी की परत को निकाल दिया जाता था। इसके बाद तालाब 'ओवर फ्लो' नहीं होते थे और पानी की रिचार्जिंग होती थी लेकिन आज प्रदेश में छह हजार तालाब ऐसे हैं जो बारिश के दौरान 'ओवर फ्लो' हो जाते हैं। तालाब प्राधिकरण के माध्यम से इस वर्ष 1990 तालाबों की सफाई करवाई जाएगी, अगले वर्ष अढ़ाई हज़ार तालाब लिए जाएंगे। एक-एक करके प्रदेश के सभी तालाबों से गंदगी निकालकर उनका कायाकल्प किया जाएगा। ये सब प्रशासन तंत्र की सक्रियता व सार्थक सोच का परिणाम है।

- डा चंद्र त्रिखा

मुख्यमंत्री परिवार समृद्धि योजना के तहत 5.33 करोड़ रुपए जारी

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन के अनुरूप समाज में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का उत्थान करने के अपने विज़न को चरितार्थ करते हुए मुख्यमंत्री परिवार समृद्धि योजना (एमएमपीएसवाई) 3,14,446 लाभार्थियों को 5.33 करोड़ रुपए की प्रीमियम राशि सीधे उनके बैंक खातों में डालकर उन्हें लाभान्वित किया है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) के 1,00,856 लाभार्थियों के 3,32,82,480 रुपए, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के 1,82,916 लाभार्थियों को 21,94,992 रुपए तथा प्रधानमंत्री श्रम योगी मान धन (पीएमएसवाईएमवाई), प्रधानमंत्री लघु व्यपारी मानधन पेंशन योजना (पीएमएलवीएमवाई) और प्रधानमंत्री लघु व्यपारी मानधन पेंशन योजना (पीएमएलवीएमवाई) के 30,674 लाभार्थियों को 1,78,22,500 रुपए की प्रीमियम राशि सीधे उनके बैंक खातों में पहुंचाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शेष पात्र हितग्राहियों को भी समय पर भुगतान कर दिया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सभी योजनाओं के 29 लाभार्थियों को एक्नॉलेजमेंट लेटर भी प्रदान किए। मुख्यमंत्री परिवार समृद्धि योजना के तहत ऐसे परिवार जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 1 लाख 80 हजार रुपए से कम या उसके बराबर है, प्रति वर्ष 6,000 रुपए का लाभ पाने के पात्र हैं और इस राशि का उपयोग केंद्र प्रायोजित पेंशन और बीमा योजनाओं के लिए लाभार्थी के हिस्से का भुगतान करने के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य 31 मार्च, 2022 तक इन योजनाओं के तहत अधिकतम लाभार्थियों को कवर करना है, ताकि लाभार्थियों का सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित किया जा सके।

संपूर्ण पोषण के लिए पोषक आहार

मुख्य सचिव संजीव कौशल ने मौलिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश में कहा कि विभाग द्वारा 'प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण' योजना के लिए अनुमोदित बजट व खर्च में सह-संबंध होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि सरकार का उक्त योजना चलाने का मुख्य उद्देश्य मौलिक शिक्षा में एनरोलमेंट तथा उनकी नियमित उपस्थिति बनाए रखना है, साथ ही उनके शारीरिक पोषण में वृद्धि करना है। उक्त योजना हेतु वर्ष 2022-23 के लिए कुल 515 करोड़ रुपए के बजट को प्रस्तावित किया गया जिसमें से केंद्र सरकार का 194.52 करोड़ तथा राज्य सरकार का 320.48 करोड़ रुपए का हिस्सा होगा।

राज्य में कुल 14,441 सरकारी स्कूल हैं जिनमें विद्यार्थियों को गेहूं, चावल व बाजरा पर आधारित व्यंजनों के अलावा दूध आदि दिया जाता है ताकि उनके शरीर को सभी पोषक तत्व मिल सकें। बैठक में जानकारी दी गई कोविड-19 के दौरान पात्र स्कूली विद्यार्थियों को पूरी तरह से सैनेटाइज्ड करके बंद पैकेटों में सूखा राशन उपलब्ध करवाया गया।

महिलाओं व बच्चों का भविष्य मज़बूत करने की योजना

केंद्रीय बजट 2022-23 में नवजात बच्चे से लेकर किशोरियों व महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा व सुरक्षा पर विशेष ज़ोर दिया गया है। बच्चों को अनुकूल वातावरण व अच्छी सुविधाएं प्रदान करने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों के इंफ्रास्टक्चर में सुधार किया जाएगा। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में केंद्रीय बजट 2022-23 पेश करते हुए कहा कि नारी शक्ति की पहचान अमृत काल, यानी इंडिया100 तक के 25 वर्ष लंबे अंतराल के दौरान देश के उज्वल भविष्य और महिलाओं के नेतृत्व में विकास के अग्रदूत के रूप में की गई है। प्रधानमंत्री ने स्वाधीनता दिवस के अवसर पर अपने संबोधन में इंडिया100 के विजन का सूत्रपात किया था। नारी शक्ति के महत्व को स्वीकार करते हुए सरकार ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की योजनाओं को पुनर्जीवित किया है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने 'मिशन शक्ति', 'मिशन वात्सल्य', 'पोषण 2.0' एवं 'सक्षम आंगनवाड़ी' को एकरूपता के साथ लागू करने की घोषणा आम बजट में की है।

» **'मिशन शक्ति'** के तहत जहां महिलाएं, किशोरियों और बच्चियों की सुरक्षा के अनुकूल माहौल तैयार करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। मिशन शक्ति अपने दो घटक-संबल और समर्थ के साथ महिलाओं के समग्र कल्याण और विकास को सुनिश्चित करेगी।

» **'मिशन वात्सल्य'** हर बच्चे के लिए एक स्वस्थ और खुशहाल बचपन सुनिश्चित करने के लिए, भारत सरकार सेवा वितरण संरचनाओं, संस्थागत देखभाल और समुदाय-आधारित देखभाल को प्रोत्साहित करके एक संवेदनशील, सहायक और सिंक्रनाइज़ पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने का प्रयास करती है। इसके तहत बाल अधिकारों को संरक्षित करने, निराश्रित बच्चों को दत्तक अभिभावकों को सौंपने एवं देखभाल की व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर जोर दिया जाएगा।

» **'मिशन पोषण 2.0'** से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच साल में सवा लाख करोड़ की राशि खर्च करके नवजात बच्चों से लेकर स्कूली विद्यार्थियों, गर्भवती महिलाओं और दूध पिलाने वाली माताओं के पोषण स्तर में सुधार का भागीरथ प्रयास शुरू किया जा रहा है। मिशन पोषण 2.0 पोषण सेवा वितरण को पारदर्शी बनाने के साथ लास्ट माइल रीयल-टाइम ट्रैकिंग की सुविधा प्रदान करेगा और पोषण मानदंडों को मज़बूत करेगा जिससे कुपोषण मुक्त भारत के संकल्प को मज़बूत किया जा सकेगा।

» **'सक्षम आंगनवाड़ी'** के माध्यम से आंगनवाड़ी केंद्रों का संस्थागत ढांचा मज़बूत किया जाएगा, ताकि इन केंद्रों के माध्यम से केंद्र-प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं, विशेषकर महिलाओं के उत्थान व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का लक्ष्य शत-प्रतिशत हासिल किया जा सके। सक्षम आंगनवाड़ियां नई पीढ़ी की आंगनवाड़ियां हैं, जो बेहतर बुनियादी सुविधाओं और श्रव्य-दृश्य सहायता सामग्री, स्वच्छ ऊर्जा से सम्पन्न हैं तथा बच्चों के प्रारंभिक विकास के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध करा रही हैं।

-संवाद ब्यूरो

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए आम बजट में महिलाओं और बच्चों के भविष्य को मज़बूत रखने की विशेष कार्ययोजना को प्राथमिकता दी है। देश, प्रदेश में इस वर्ग के उत्थान के लिए जितने अधिक प्रयास वर्तमान में हो रहे हैं, वह निश्चित तौर पर आधी आबादी, विशेषकर भविष्य के कर्णधार युवाओं को समर्थ बनाएंगे।

कमलेश ढांडा, महिला एवं बाल विकास मंत्री, हरियाणा

सलाहकार संपादक :	डा. चंद्र त्रिखा
सह संपादक :	मनोज प्रभाकर
संपादकीय टीम :	संगीता शर्मा, सुरेंद्र मलिक
संपादन सहायक :	सुरेंद्र बांसल
चित्रांकन एवं डिज़ाइन :	गुरप्रीत सिंह
डिजिटल सपोर्ट :	विकास डांगी

करनाल के विकास के लिए स्मार्ट सिटी लिमिटेड की ओर से 1,524 करोड़ रुपए की 85 परियोजनाओं पर काम होना है। 42 परियोजनाएं ऐसी हैं जो अधिकांश पूरी हो चुकी हैं, शेष 31 मार्च तक पूरी हो जाने की उम्मीद है।

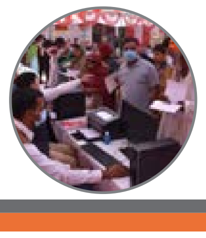

प्रदेश सरकार ने गरीब लोगों के उत्थान के लिए अंत्योदय मेलों की शुरुआत की है। अब तक पूरे प्रदेश में 272 मेले लगाए जा चुके हैं, जिनसे 90 हजार परिवारों को विभिन्न विभागों की 55 स्कीमों का लाभ दिया गया है।

क्रिकेट में भी छाये म्हारे छोरे

विश्वकप जीतने पर पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई। युवा क्रिकेटरों ने पूरी प्रतियोगिता में गज़ब का साहस दिखाया और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। युवाओं को देखकर लगता है कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य सुरक्षित हाथों में है।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

हरियाणा के खिलाड़ी अब क्रिकेट में भी देश व प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। हमारे खिलाड़ियों की बदौलत हरियाणा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 'स्पोर्ट्स हब' के रूप में पहचान मिली है। इसका पूरा श्रेय खिलाड़ियों की मेहनत को जाता है। भारत और इंग्लैंड के बीच हुए अंडर-19 आईसीसी वर्ल्ड कप 2022 में भारत की शानदार जीत पर पूरी टीम को बधाई।

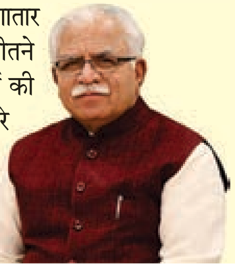

खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। पूरे देश में हरियाणा ऐसा राज्य है जहां पदक जीतने पर खिलाड़ियों को सबसे अधिक पुरस्कार राशि दी जाती है। गर्व की बात यह है कि हरियाणवी खिलाड़ियों का प्रदर्शन देखते हुए दूसरे प्रदेश की सरकारें में हरियाणा की खेल नीति का अनुसरण करने लगी हैं।

मनोहरलाल, मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार

मनोज प्रभाकर

मेरे देश की धरती सोना चांदी के अलावा हीरे मोती भी उगल रही है। ओलंपिक खेलों की धमक के बाद लोकप्रिय खेल क्रिकेट में भी हरियाणा के लाडलों ने धाक जमाई है। विगत एक दशक में यह साबित हो गया है कि हरियाणा की आबोहवा खेलों के प्रति सौ फीसद अनुकूल है। हरियाणा की मनोहर सरकार ने इस हवा को बखूबी पहचाना और खेलों को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं शुरू की, जिनका परिणाम यह है कि सूबे की माटी से प्रति वर्ष अनेक खेल प्रतिभाएं राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डंका बजा रही हैं।

क्रिकेट में भारत की अंडर-19 टीम ने इंग्लैंड को छह विकेट से पराजित कर विश्वकप अपने नाम कर लिया। भारत की इस टीम में हरियाणा की ओर से तीन युवाओं को खेलने का अवसर मिला। हालांकि कप्तान यश ढुल भी हरियाणा से संबंध रखते हैं लेकिन उन्होंने दिल्ली की ओर से मौका मिला। अंडर-19 विश्व क्रिकेट प्रतियोगिता में भारत की यह पांचवीं जीत रही। भारतीय टीम के दमखम की पूरी दुनिया में प्रशंसा हो रही है। खास बात यह कि टीम पूरी प्रतियोगिता में अजेय रही।

हरियाणा की ओर से रोहतक के निशांत सिंधु, हिसार के दिनेश बाना और भिवानी के गर्व सांगवान ने पूरी प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन किया और देश-प्रदेश का सम्मान बढ़ाया। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में निशांत ने अर्धशतकीय पारी खेली जबकि दिनेश बाना ने लगातार दो छक्के जड़कर विश्वकप भारत की झोली में डाल दिया। प्रदेश के होनहार खिलाड़ियों का मैच देखने के लिए लोग देर रात तक जागते रहे और जीत के बाद जश्न मनाते रहे।

बल्लेबाज निशांत के पिता सुनील एक फुटवियर कंपनी में काम करते हैं और माता वंदना एक स्कूल टीचर हैं। सुनील कुमार ने बताया कि निशांत जब चार साल का था तो वह कपड़े धोने की थापी और रबर की बॉल से खेलता था। सेना से सेवानिवृति के बाद हरियाणा पुलिस में तैनात दिनेश बाना के पिता महाबीर बाना ने बताया कि दिनेश में खेल के प्रति जुनून था। 'माही' बनने का सपना रखने वाला दिनेश कई क्रिकेट प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करता आ रहा है।

गर्व सांगवान के परिजनों के मुताबिक गर्व बचपन से ही क्रिकेट का दिवाना है। उसकी दिवानगी का आलम यह है वह एशिया कप, चैलेंजर ट्राफी व वीनू मांकड प्रतियोगिता में भी खेल चुका है।

अलविदा..सप्त स्वरों की साधिका

महान विभूतियों के जन्म और महाप्रयाण दोनों संयोग होते हैं। भारत रत्न कोकिला कंठी लता मंगेशकर का निधन इसका प्रमाण है। जीवनकाल में ही अमरत्व के शिखर को स्पर्श कर लेने वाली इस स्वर साधिका को संगीत की अधिष्ठात्री माँ सरस्वती का प्रतिरूप कहा जाने लगा था। जब पूरा देश और दुनिया भर में फैले भारतीय संस्कृति के अनुयायी सरस्वती पूजा के अनुष्ठान में रत थे तब लता जी ने अपनी सांसों को रुकने नहीं दिया क्योंकि शायद वे सरस्वती पूजा को खंडित होते नहीं देख सकती थीं।

उनके जीवन की शुरुआत बहुत ही साधारण और कष्टप्रद रही। संगीत साधक पिता दीनानाथ की मृत्यु के बाद किशोरावस्था में ही उन्हें अपनी माँ के अलावा तीन बहिनों और भाई के लालन - पालन का दायित्व सम्भालना पड़ा। फिल्मों में अभिनय से पार्श्व गायन तक की उनकी यात्रा एक गुमनाम मुसाफिर का संघर्ष था लेकिन एक बार जैसे ही उनकी प्रतिभा सामने आई वैसे ही वे शिखर पर जा बैठीं और जब तक उन्होंने खुद होकर नहीं चाहा वे उस पर बनी रहीं। इसका कारण मात्र इतना है कि लता जी ने संगीत को जीवन यापन का साधन न मानकर एक साधना के तौर पर लिया जिसके चलते उन्हें मनुष्य रूप में भी देवी स्वरूप मान्यता मिल गई। मराठी भाषी होने पर भी उनके उच्चारण में जो शुद्धता थी वह विलक्षण कही जायेगी।

भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में गुणवत्ता की प्रतिमूर्ति कहे जाने वाले स्व. बड़े गुलाम अली खां ने उनके बारे में कहा था कि वे कभी बेसुरी नहीं होतीं। इससे बड़ी प्रशंसा किसी गायक की शायद ही उन्होंने की हो। भारतीय फिल्म उद्योग के पहले शोमैन स्व. राज कपूर ने तो लता जी को साक्षात सरस्वती कहकर उनकी कलात्मक श्रेष्ठता का लोहा माना। देश की लगभग हर भाषा में उन्होंने फिल्मी गीत गाये। लेकिन उसके अलावा उनके गाये अनेक गैर फिल्मी गीत भी लोकप्रियता की ऊंची पायदान चढ़े। 1962 के चीनी आ'मण के बाद स्व. प्रदीप द्वारा रचित और स्व. सी. रामचंद्र द्वारा संगीतबद्ध किया गया 'ऐ मेरे वतन के लोगो, ज़रा आँख में भर लो पानी' गीत की ताज़गी आज भी जस की तस है। इसे सुखद संयोग ही कहा जायेगा कि दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह की समाप्ति पर होने वाले संगीतमय बीटिंग द रिट्रीट समारोह के अवसर पर इसी साल से सेना के बैंड ने ऐ मेरे वतन के लोगों की स्वर लहरियां राजपथ पर बिखेरीं।

भारत सरकार ने उन्हें 'भारत रत्न' से अलंकृत कर सही मायनों में तो खुद को ही सम्मानित किया क्योंकि लता जी का नाम ही अपने आप में सम्मान का पर्यायवाची बन चुका था। इससे भी बढ़कर कहें तो वे अपनी विशिष्टताओं की वजह से अघोषित विश्व रत्न बन चुकी थीं जिनकी ख्याति और सम्मान राष्ट्रों की सीमाओं से परे था। आज़ादी की बाद जिन व्यक्तित्वों ने देश के हर वर्ग को दिल की गहराइयों तक प्रभावित किया उनमें लता मंगेशकर का नाम सबसे ऊपर रखा जाना सर्वथा उचित होगा क्योंकि वे एक ऐसी आवाज़ की स्वामिनी थीं जिसे सुनकर आलौकिक आनंद की अनुभूति होती है। एक बार दिलीप कुमार ने कहा भी था कि जिस तरह शीतल हवा, बहते हुए झरने और बच्चे की किलकारी की पवित्रता संदेह रहित होती है, ठीक वैसे ही लता की आवाज़ में पाकीज़गी और कुदरत की बेशकीमती देन है।

लता जी के बारे में ये कहना अक्षरशः सत्य होगा कि वे मरी नहीं क्योंकि वे मर ही नहीं सकतीं। जब तक इस दुनिया में सुर और संगीत रहेंगे तब तक लता मंगेशकर कला के आकाश में ध्रुव तारे की तरह अमर रहेंगी। सरस्वती के इस साक्षात स्वरूप को कोटि कोटि नमन्।

फरीदाबाद के जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए और गुरुग्राम विश्वविद्यालय ने अकादमिक हित में परस्पर सहयोग को बढ़ावा देने व शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू करने हेतु एक समझौता किया है।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग व हरेड़ा द्वारा ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं को 'राज्य ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार' के लिए विभिन्न श्रेणियों के लिए आवेदन करने की तिथि को 22 फरवरी 2022 कर दिया है।

नीले गगन के तले,

मनोज प्रभाकर

भगवान श्रीकृष्ण ने इस धरा पर आकर गीता का संदेश दिया था। कहा जाता है कि हरि के आने से 'हरियाणा' कहलाया। धरा के इस छोटे से भाग का अपना आकर्षण है, यहां का भौगोलिक चरित्र, आबोहवा व माटी की महक सभी का अभिनन्दन करती है।

उत्तरी हिस्से में यमुना-घग्गर के मैदान, शिवालिक पहाड़ियों की श्रृंखला, दक्षिण-पश्चिम में बांगर का मैदानी इलाका तथा दक्षिणी हिस्से में अरावली पर्वतमालाओं के अंतिमांश, जिनका क्षैतिज विस्तार राजस्थान से दिल्ली तक है।

यमुना राज्य की एकमात्र चिरस्थायी नदी है। उत्तरी हरियाणा में उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पश्चिम की ओर बहने वाली कई बरसाती नदियां हैं, जो हिमालय की शिवालिक पहाड़ियों से निकलती हैं। इनमें घग्गर-हकरा, चौटांग, टांगरी, कौशल्या, मारकंडा, सरस्वती और सोम इत्यादि प्रमुख हैं। इसी तरह दक्षिणी हरियाणा में भी अरावली पहाड़ियों से निकलने वाली कई नदियां दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम की ओर बहती हैं। इन नदियों में साहिबी, दोहान, कृष्णावती और इंदौरी शामिल हैं। माना जाता है कि ये सभी किसी समय सरस्वती नदी की सहायक नदियां थीं। यहां की झील, पोखर, वनाच्छादित क्षेत्र तथा मैदानी इलाकों में लहलाती फसलें यहां की समृद्ध परंपरा का परिचायक हैं। तभी तो हजारों किलोमीटर की यात्रा तय करके हजारों पक्षी प्रति वर्ष यहां डेरा डालने आते हैं।

पशु-पक्षिओं और वृक्षों की पूजा का भाव, नदी, गाय और तुलसी को माता का दर्जा स्थानीय लोगों द्वारा दिया जाता है। पीपल की पूजा की जाती है। पेड़ को प्राणवायु देवता भी कहा जाता है। कोरोना काल के दौरान जब ऑक्सीजन का संकट देखा तो वनों को ऑक्सीवन का नाम दिया गया। वर्तमान राज्य सरकार ने 75 वर्ष पूरा कर चुके पेड़ों की देखरेख करने वाले परिवार या संस्था को 2500 रुपए सालाना पेंशन योजना शुरू की है। हरियाणा एकमात्र प्रदेश है, जहां पेड़ों की भी पेंशन दी जा रही है।

इस पावन धरा का यह आकर्षण ही है कि सुल्तानपुर और भिंडावास झील पर हजारों पक्षी दूसरे देश और प्रदेशों से खिंचे चले आते हैं। सुल्तानपुर में 100 से अधिक प्रजाति के 50 हजार पक्षी हर वर्ष पहुंचते हैं। इसी तरह भिंडावास में 80 से अधिक प्रजाति के 40 हजार पक्षी हर वर्ष आते हैं। भिंडावास में तो 100 से अधिक स्थानीय प्रजाति के पक्षी पाए भी जाते हैं। यहां बहुत से पर्यटक आते हैं। राज्य सरकार की ओर से इनके ठहराव को लेकर योजना बनाने पर विचार किया जा रहा है। पिछले दिनों टिक्करताल के लिए 'होम स्टे' पॉलिसी बनाई गई है। उसी तर्ज पर इन दोनों झील के आसपास के गांव में भी होम स्टे शुरू किया जाएगा। इससे पर्यटक हरियाणवी संस्कृति और ग्रामीण दर्शन कर सकेंगे।

स्वस्थ जीवन के लिए प्राकृतिक संतुलन आवश्यकः मनोहरलाल

प्रकृति की गोद में केवल मनुष्यों का निवास है, ऐसा नहीं है बल्कि हमारे इर्द-गिर्द वन्य प्राणी, जीव-जंतु, वृक्ष मौजूद हैं। इनका समन्वय करके चलेंगे तो हमारा जीवन सुखी होगा। यह पृथ्वी हम सबकी है। मुख्यमंत्री गुरुग्राम के सुल्तानपुर राष्ट्रीय उद्यान में आयोजित विश्व आर्द्रभूमि दिवस के कार्यक्रम में बोल रहे थे।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि उपयोग किया गया पानी जब वेटलेंड में जाता है तो वहां मौजूद पशु व पक्षी उस पानी की सफाई करते हैं और फिर वह पानी दोबारा इस्तेमाल लायक होता है। आज केवल वेटलेंड डे नहीं है संकल्प का दिन है कि हम प्रकृति से छेड़छाड़ नहीं करेंगे। प्रकृति एक ऐसा विषय है, जिसमें संतुलन बना रहेगा तो हमारा जीवन स्वस्थ रहेगा और हम लंबे जीवन की कल्पना कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में तालाबों के कायाकल्प के लिए हरियाणा तालाब और अपशिष्ट जल प्रबंधन प्राधिकरण बनाया गया है। प्रदेश में लगभग 18 हजार तालाब हैं। पहले तालाबों में शिल्टिंग होती थी और चिकनी मिट्टी की परत को निकाल दिया जाता था। इसके बाद तालाब ओवरफ्लो नहीं होते थे और पानी की रिचार्जिंग होती थी लेकिन आज प्रदेश में 6 हजार तालाब ऐसे हैं जो बारिश के दौरान ओवरफ्लो हो जाते हैं। तालाब प्राधिकरण के माध्यम से इस वर्ष 1900 तालाबों की सफाई करवाई जाएगी, अगले वर्ष ढ़ाई हजार तालाब लिए जाएंगे। एक-एक करके प्रदेश के सभी तालाबों से गंदगी निकालकर उनका कायाकल्प किया जाएगा।

आने वाले दिनों में प्रदेश की 1250 अनाधिकृत कॉलोनियों को वैध किया जाएगा, जिनमें लोगों को सभी मूलभूत सुविधाएं और विकास का लाभ मिलेगा।

हरियाणा उर्दू अकादमी द्वारा वर्ष 2021 के लिए उर्दू के साहित्यकारों को सम्मानित करने हेतु 28 फरवरी तक आवेदन मांगे हैं। सम्मानों में 'फखे हरियाणा सम्मान' के लिए पांच लाख तथा 'हाली सम्मान' के लिए तीन लाख रुपए की राशि दी जाती

धरती का प्यार पले

जंगल हमारे फेफड़ें हैं तो वेटलेंड हमारी किडनीः भूपेंद्र यादव

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इको विकास और इको टूरिज्म का संकल्प लिया है, इससे निश्चित रूप से सुल्तानपुर झील के आसपास के गांवों में परिवर्तन आएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जंगल हमारे फेफड़ें हैं तो वेटलेंड हमारी किडनी हैं। उनके विभाग ने देश की 49 झीलों को रामसर साइट में दर्ज करवाया है, जिसमें हरियाणा की सुल्तानपुर और भिंडावास झील भी शामिल की गई हैं । भविष्य में देश की 75 झीलों को इसमे दर्ज करवाने के लिए काम किया जाएगा। हमें इन झीलों के सौंदर्यकरण और इन्हें बचाने के लिए प्रयास करना चाहिए।

पृथ्वी पर करोड़ों प्रजातियों का अधिकारः अश्विनी चौबे

केंद्रीय वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री अश्विनी चौबे ने कहा कि पृथ्वी पर हमारा नहीं बल्कि करोड़ों प्रजातियों का भी अधिकार है। वेटलेंड पर देश और विदेशों से हजारों की संख्या में पक्षी आते हैं। इससे पर्यावरण के साथ-साथ वहां रहने वाले लोगों को भी फायदा होता है। वेटलेंड को किडनी ऑफ लैंडस्केप कहा जाता है। यहां जल उपयोगी बनता है बल्कि आसपास के लोगों की आजीविका भी चलती है। अभी तक देशभर में 47 वेटलेंड थे, हरियाणा के सुल्तानपुर और भिंडावास के जुड़ने से इनकी संख्या 49 हो गई है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि हरियाणा सरकार इन स्थानों पर इको पार्क, इको विलेज के लिए काम करेगी।

प्रकृति का हमारे जीवन में सबसे ज्यादा महत्वः कंवरपाल

वन एवं शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने कहा कि प्रकृति का हमारे जीवन में सबसे ज्यादा महत्त्व है। इसका संरक्षण जरूर है। वेटलेंड पर देश-दुनिया से पक्षी तो आते ही हैं लेकिन यह कार्बन को भी सौखता है और बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने में सहायक है। यहां बहुत से जीव पैदा होते हैं जो पर्यावरण के लिए जरूरी हैं। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए बताया कि बीते दिनों कपास की फसल पर सफेद मक्खी का हमला हुआ। इस मक्खी पर किसी भी रसायन का प्रभाव नहीं दिखा। शोधकर्ता का कहना था कि पहले इस मक्खी को एक चिड़िया खा जाती थी लेकिन खेतों में रसायन का इस्तेमाल होने से चिड़िया खत्म हो गई, जिससे सफेद मक्खी का प्रकोप कपास में बढ़ गया। प्रकृति में हर जीव का महत्त्व है, हमें इसे समझने की जरुरत है।

प्रवासी पक्षियों से गुलजार भिंडावास

भिंडावास झील विदेशी मेहमानों से गुलजार है। साइबेरिया के ठंडे इलाकों से आए हजारों बहुरंगी पक्षियों ने यहां डेरा जमाया है। सैंकड़ों प्रजातियों के इन पक्षियों का कलरव प्राकृतिक संगीत की अनुभूति कराता है जिसे सुनने व देखने के लिए अनेक पक्षी प्रेमी यहां खिंचे चले आते हैं।

विभागीय जानकारी के मुताबिक इस बार 40 हजार से ज्यादा प्रवासी मेहमान हजारों किलोमीटर की यात्रा करके यहां पहुंचे हैं। ग्रेलेग गूज़ व स्पॉट बिल डक की संख्या ज्यादा है। इस बार इनके साथ पेरेग्रिन फॉल्कॉन भी हैं। ये सभी विदेशी मेहमान इस क्षेत्र में अक्टूबर से फरवरी तक रहन सहन करते हैं। उसके बाद वापस अपने देशों को लौट जाते हैं। इन चार पांच माह के दौरान यहां का ठंडा मौसम इन पक्षियों के लिए अनुकूल रहता है।

भिंडावास झील के अलावा यहां के गांव डीघल व मांडोठी की सैंकड़ों एकड़ जमीन पर बने पोखर भी इन पक्षियों की मेजबानी करते हैं। सर्दियों से पहले बरसात के मौसम में यहां के दर्जनों जोहड़ तालाब पर्याप्त जलयुक्त हो जाते हैं। जहां इन्हें खाने के लिए छोटे-छोटे जलजीव मिल जाते हैं और आराम करने के लिए पेड़ व झाड़ियां। सहजभावयुक्त दिखने वाले ये पक्षी संवेदनशील और तेज दिमाग के होते हैं। हर साल ये अपने उन्हीं निर्धारित स्थानों में चले आते हैं, जहां बीते वर्ष आकर रह चुके होते हैं। इतने दूर से आने के बावजूद ये भटकते नहीं हैं। यहां से जब ये अपने घर लौटते हैं, तब वहीं अंडे देते हैं।

गजब का दिशा ज्ञान

जीव जंतु संरक्षण से संबंद्ध संस्था के सदस्य सोनू दलाल ने बताया कि ये पक्षी हजारों किलोमीटर की यात्रा करके यहां तक पहुंचते हैं। इनका दिशा ज्ञान गजब का होता है। रास्ते में ये पक्षी सूर्य व तारों की मदद लेते हैं। उनकी स्थिति को ध्यान में रखते हुए ये आगे बढ़ते रहते हैं। राह में नदी, पर्वत व झीलों की लोकेशन की भी मदद लेते हैं। अपने देशों में बर्फ जमने से पूर्व ये पर्याप्त वसा अपने शरीर में जमा कर लेते हैं और फिर उड़ान भरते हैं। यह वसा इनकी मुख्य ऊर्जा है, जिसे एकत्र कर लेने के बाद यात्रा प्रारंभ होती है। परिपूर्ण होकर यात्रा शुरू करते हैं तो इन्हें रास्ते में कहीं भोजन की जरुरत नहीं पड़ती। ऐसा ही ये परिंदे तब करते हैं जब यहां से स्वदेश की ओर यात्रा भरते हैं। शरीर में पर्याप्त वसा एकत्र करके चलते हैं। प्रवास के दौरान ये पक्षी उत्तर से दक्षिण की ओर उड़ान भरते हैं। ये पक्षी अक्सर आसमान में अंग्रेजी के अक्षर 'वी' आकार की आकृति बनाकर चलते हैं। इस तकनीक से इनकी ऊर्जा में बचत होती है।

300 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार

विदेशी धरा से यहां पहुंचने वाले पक्षियों की खास विशेषता इनके उडने़ की क्षमता होती है। कुछ पक्षी तेज उड़ान भरते हैं, तो कुछ बिना रुके लगातार लंबी उड़ान भर सकते हैं। ये दो अलग-अलग गुण हैं, जो हर पक्षी में नहीं होते, लेकिन पक्षी पेरेग्रीन फॉल्कॉन में ये दोनों ही विशेषताएं होती हैं। आकार में छोटा सा दिखने वाला यह पक्षी कुछ ही हफ्तों में हजारों किलोमीटर की उड़ान भर सकता है। उसे विश्व का सबसे तेज उड़ने वाला पक्षी भी कहा जा सकता है। इसे अपना आहार जुटाने के लिए शिकार पकड़ना होता है तो इसकी रफ्तार 300 किलोमीटर प्रति घंटे से भी तेज होती है।

साइबेरियन पक्षियों का मेला

वन्यजीव विभाग, भिंडावास झील के स्थानीय अधिकारी ने बताया कि साइबेरियन देशों से आने वाले पक्षियों की सैंकड़ों प्रजातियां हैं। इनमें मार्श रेसिपीपर, आम रेत कीपिंग, ग्रीन रेडपीपर, सामान्य स्कूप्स, सामान्य रेडशैंक, स्पॉटेड रेडशैंक, जल-कपोत ग्रेलेग गूज़, उत्तरी शावलर, फेर्रुजनीस पोचर्ड, टिमिनिक कार्यकाल, छोटा कार्य पि• र एवोकेट, मार्श हैरियर आम टीला, व्हाइट आइबिल, पेंटिड स्टॉर्क, स्कूलबिल, नॉर्दन सोलर, मलाइड, फ्लेमिंगो, पेंटल आदि पक्षी हैं।

इनके अलावा पेलीसिन, रोजी पेलीसन, कॉमनक्रेन, डेमार सेल, बारहेडिड गूज़, परपर्ल हॉर्न, नेकस्टॉर्क, पेंटेड स्टॉर्क, ब्लाइट नेक, ग्रे पेलिसन, पिनटेल डक, शोवलर, डक, कॉमनटील, डेल चिक, मेलर्ड, पोचार्ड, गारगेनी टेल, फ्लेमिंगो सहित कई प्रजाति के पक्षी भी आते रहे हैं। साइबेरिया, ब्रिटेन, मंगोलिया, मध्य एशिया से हजारों की संख्या में विदेशी परिंदे मध्यभारत के मैदानों में आते हैं।

कलेसर नेशनल पार्क

शिवालिक की सुरम्य पहाड़ियों की तलहटी में स्थित कलेसर नेशनल पार्क हरियाणा का एकमात्र नेशनल पार्क है। यमुनानगर-पाँवटा साहब सड़क मार्ग पर स्थित यह नेशनल पार्क 13000 एकड़ के विस्तृत क्षेत्र में फैला हुआ है। साथ ही लगती हुई लगभग इतने ही (13209 एकड़) क्षेत्र में फैली 'कलेसर वाइल्डलाइफ़ सेंचुरी' है। कलेसर वाइल्डलाइफ़ सेंचुरी की 1996 और कलेसर नेशनल पार्क की घोषणा 2003 में की गई थी । इस क्षेत्र में 71 प्रतिशत वन हैं। साल, अमलतास,खैर,शीशम, बहेड़ा आदि के पेड़ों की बहुलता है। सिंदूर के पेड़ भी बहुतायत में हैं। वन्य जीवों में तेंदुआ, हाथी,हिरण,नील गाय, जंगली सुअर,जंगली बिल्ली, गीदड़, ख़रगोश,लंगूर के अतिरिक्त और भी कई जानवर नेशनल पार्क की वन्य जीव सम्पदा को समृद्ध कर रहे हैं। कलेसर नेशनल पार्क का नामकरण कालेसर (कालेश्वर) महादेव के नाम पर किया गया है जो राजमार्ग एन एच 907 के पूर्व में मात्र 400 मीटर की दूरी पर स्थित ब्रिटिश क़ालीन डाक बंगले के पास ही शोभायमान है। नेशनल पार्क में जुलाई से सितंबर तक भ्रमण प्रतिबंधित रहता है।

ताजेवाला व हथिनीकुंड

कलेसर नेशनल पार्क से आठ किमी की दूरी पर स्थित ताजेवाला व हथिनीकुंड पर्यटन स्थल प्रकृति प्रेमियों को पूर्ण तृप्ति प्रदान करता है। यहां पर्यटन विभाग का एक रेस्तरां व विश्राम गृह है। विश्राम गृह के एक ओर नीचे कल-कल निनाद कर बहता पानी और दूसरी ओर कलेसर के जंगलों से आती वन्यजीवों व पक्षियों की आवाज़ें शान्त व सुरम्य वातावरण को भाव विभोर कर देती हैं। यहां से लगभग 20 किमी दूर स्थित चौधरी देवीलाल हर्बल पार्क भी दर्शनीय है। 50 एकड़ के इस महत्वपूर्ण पार्क में औषधीय जड़ी-बूटियों और पेड़-पौधों की 61000 से भी अधिक प्रजातियाँ हैं ।

अंत्योदय सरल

मुख्यमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहायता योजना को भी 'अंत्योदय सरल पोर्टल' के माध्यम से जल्द ही ऑनलाइन किया जाएगा। ज़रूरतमंद व्यक्ति नज़दीकी सीएससी या अंत्योदय सरल केंद्रों पर आवेदन कर सकेंगे।

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने 'नेशनल हाइवे अथोरिटी ऑफ इंडिया' के हिसार जिला के चौधरीवास, मुकलान,सरसौद-बिचपड़ी व सच्चाखेड़ा गांव में एलिवेटिड रोड़ का निर्माण करने के निर्देश दिए।

किसानी को जोखिम मुक्त बनाना सरकार की प्राथमिकता

प्रदेश के किसानों को हर प्रकार से जाखिम फ्री बनाने और उनके कल्याण को सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप राज्य सरकार ने प्रदेश में हुई भारी वर्षा, जलभराव तथा कीट हमलों से हुए फसलों के नुकसान का मुआवजा देने के लिए 561.11 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की है। इस राशि को 'मानुसार किसानों को वितरित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व, दूरदर्शी सोच और उनके मार्गदर्शन में सरकार पिछले सात सालों से निरंतर किसानों के हित में कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। फसल बीमा योजना के अलावा किसानों को जोखिम फ्री बनाने के लिए भावांतर भरपाई योजना से लेकर मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना चलाकर राज्य सरकार ने सदैव किसान भाईयों को यही संदेश दिया है कि सरकार सदैव उनके साथ खड़ी है और आर्थिक तौर पर किसानों को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं आने दी जाएगी।

राज्य में भारी वर्षा, जलभराव तथा कीट हमलों से कपास, मूंग, धान, बाजरा तथा गन्ना की फसलों को हुए नुकसान के आंकलन हेतू सभी आयुक्तों व उपायुक्तों को विशेष गिरदावरी खरीफ 2021 के आदेश दिये गये थे। इस सम्बन्ध में सम्बन्धित मण्डल आयुक्त के माध्यम से उपायुक्तों ने फसल खराबा रिपोर्ट सरकार को भेज दी है और सरकार ने मुआवजा के तौर पर 561.11 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत कर दी है।

किसानों को फसल खराबे का मुआवजा देने हेतु हिसार जिले के लिए 172.32 करोड़ रुपए, भिवानी के लिए 127.02 करोड़ रुपए, फतेहाबाद के लिए 95.29 करोड़ रुपए, सिरसा के लिए 72.86 करोड़ रुपए, चरखी दादरी के लिए 45.24 करोड़ रुपए, झज्जर के लिए 24.51 करोड़ रुपए, सोनीपत के लिए 12.26 करोड़ रुपए, रोहतक के लिए 10.45 करोड़ रुपए, पलवल जिला के लिए 58.28 लाख रुपए, नूंह के लिए 52.05 लाख रुपए, करनाल जिले के लिए 3.78 लाख रुपए और गुरुग्राम के लिए 10 हजार रुपए की राशि स्वीकृत की गई है।

फसल मुआवजा राशि बढ़ाई

उल्लेखनीय है कि 14 फसलों की खरीद एमएसपी पर करने वाला हरियाणा एकमात्र राज्य है। परंतु बेमौसमी बारिश और अन्य कारणों से कई बार फसल खराब होने से किसानों को नुकसान उठाना पड़ता है। किसानों को उचित मुआवजा देने के मद्देनजर मुख्यमंत्री ने हाल की में फसल मुआवजा राशि को 12,000 रुपये प्रति एकड़ से बढ़ाकर 15,000 रुपये करने का एलान किया था। इसके साथ ही इस राशि से कम के मुआवजे के स्लैब में भी 25 प्रतिशत की वृद्धि करने की घोषणा की थी। इस नाते से हरियाणा सरकार पूरे देश में सबसे ज्यादा फसल मुआवजा दे रही है।

कृषि भूमि की पैमाइश

कृषि भूमि मैपिंग का कार्य व्यापक स्तर पर चलाया जा रहा है ताकि प्रदेश की कृषि भूमि डाटा उपलब्ध हो सके। यह कार्य होने से सभी भूमि मालिकों की ज़मीन की जानकारी स्पष्ट हो सकेगी। इसके अलावा स्कूल, शामलाती ढांचा, धार्मिक स्थल आदि भूमि की लोकेशन भी सही मिल सकेगी। इतना ही नहीं, बल्कि गांवों में मुरब्बा स्टोन की तरह तकनीक आधारित 25 मुरब्बे के क्षेत्रफल में गहरे एवं मज़बूत रेफरेंस प्वाइंट बनाए जाएंगे जिससे मुरब्बा स्टोन की लोकेशन भी निर्धारित हो सकेगी। लोग जानकारी के लिए इन रेफरेंस प्वाइंट का उपयोग कर सकेंगे। इस प्रकार कृषि भूमि की पैमाइश में जीपीएस लोकेशन डबल तकनीक पर आधारित पैमाइश का लाभ मिलेगा।

कृषि भूमि की मैपिंग का कार्य करने के लिए रोवर्स मशीन से पटवारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक तहसील स्तर पर दो-दो रोवर्स (जीपीएस) मशीन खरीद कर मुहैया करवाई जाएंगी। हर तहसील को रोवर्स मशीन से जोड़ा जाएगा ताकि खेतों की पैमाइश आसानी से की जा सके। प्रदेश भर में 19 स्थानों पर कंटीन्यूअस रैफ्रेसिंग स्टेशन स्थापित किए गए हैं। इनके माध्यम से आस-पास के एरिया में 500 किलोमीटर के दायरे में जीपीएस लोकेशन का आसानी पता चल सकेगा। इसके अलावा 16 जीआईएस लैब भी प्रदेश भर में स्थापित की गई हैं।

लैंड मैपिंग का कार्य करने के लिए करनाल, कुरुक्षेत्र और पानीपत में तीन टीमें लगाई गई। इसके अलावा 15 मार्च तक और टीमें लगाई जाएंगी। इस प्रकार प्रदेश भर में कुल 44 टीमें लैंड ड्रोन मैपिंग का कार्य करेंगी जिसे अगस्त 2022 तक पूरा कर लिया जाएगा। पहले पांच गांवों में ट्रायल बेस पर लार्ज स्केल मैपिंग का कार्य किया गया। अब इसे पूरे प्रदेश में शुरू कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार प्रदेश में ज़मीन सुधार के लिए नया सिस्टम लेकर आ रही है। इसके माध्यम से सारी कृषि ज़मीन का रिकॉर्ड ही उपलब्ध हो जाएगा। जमाबंदी के लिए भी नया फॉर्मेट तैयार किया गया है जिसमें पीपीपी का कॉलम जोड़ा गया है।

प्राकृतिक खेती को दिया जाएगा बढ़ावा

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में केंद्रीय बजट 2022-23 पेश करते हुए कहा कि केंद्रीय बजट में किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक कदम उठाए गए हैं। रबी सीजन 2021-22 में गेहूं की खरीद व खरीफ 2021-22 में धान की अनुमानित खरीद में 163 लाख किसानों से 1,208 लाख मीट्रिक टन गेहूं एवं धान शामिल होगा तथा एमएसपी मूल्य के 2.37 लाख करोड़ रुपए का भुगतान सीधा किसानों के खातों में किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि हरियाणा में पहले से ही किसानों की फसल खरीद का भुगतान उनके खातों में किया जा रहा है ।

प्राकृतिक खेती पर अधिक ध्यान

बजट में रसायनों का उपयोग न करके प्राकृतिक खेती पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है। देशभर में रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जाएगा जिसके प्रथम चरण में गंगा नदी से सटे पांच किमी चौड़े गलियारों (कोरिडोर्स) के अंतर्गत आने वाली किसानों की जमीनों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

किसानों के लिए डिजिटल और हाइटेक सेवाएं

पीपीपी मोड में एक नई योजना शुरू की जाएगी जिसके तहत किसानों को डिजिटल और हाइटेक सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इसके लिए सार्वजनिक क्षेत्र के अनुसंधान और विस्तार संस्थाओं के साथ-साथ निजी कृषि प्रौद्योगिकी कंपनियां और कृषि मूल्य श्रृंखला के हितधारक शामिल होंगे।

कृषि और ग्रामीण उद्यम के लिए स्टार्ट-अप कोष

सह-निवेश मॉडल के अंतर्गत सृजित मिश्रित पूंजीयुक्त कोष के लिए नाबार्ड से सहायता प्रदान की जाएगी। इस कोष का उद्देश्य 'कृषि उत्पाद मूल्य श्रृंखला के लिए उपयुक्त कृषि और ग्रामीण उद्यमों से संबंधित स्टार्ट-अप्स का वित्त पोषण करना' होगा। इन स्टार्ट-अप्स के क्रियाकलापों में अन्य बातों के अलावा किसानों को फॉर्म स्तर पर किराये के आधार पर विकेंद्रीकृत मशीनरी उपलब्ध कराना, एफपीओ के लिए आईटी आधारित सहायता उपलब्ध कराना जैसे कार्य शामिल होंगे।

केन बेतवा लिंक परियोजनाएं

44,605 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से केन-बेतवा लिंक परियोजना को लागू किया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य 9.08 लाख हैक्टेयर कृषि भूमि में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराना है। यह परियोजना 62 लाख लोगों के लिए पेयजल की आपूर्ति करने के अलावा 103 मेगावाट हाइड्रो और 27 मेगावाट सौर ऊर्जा भी उपलब्ध कराएगी। इस परियोजना के लिए संशोधित अनुमान 2021-22 में 4,300 करोड़ रुपए और 2022-23 में 1,400 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। पांच रीवर लिंक्स तथा दमन गंगा-पिनजाल, पार-तापी-नर्मदा, गोदावरी-कृष्णा, कृष्णा-पेन्नार-कावेरी के ड्राफ्ट डीपीआर को अंतिम रूप दिया गया है।

किसान ड्रोन को बढ़ावा

नई प्रौद्योगिकी के उपयोग को रेखांकित करते हुए कृषि फसलों का आकलन, भूमि दस्तावेज़ों का डिजिटलीकरण तथा कीटनाशकों और पोषक तत्वों का छिड़काव करने के लिए 'किसान ड्रोन' के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। हरियाणा सरकार ने प्रदेश में पहले से ही ड्रोन ऑथोरिटी का गठन किया हुआ है ।

खाद्यान्न उत्पादों के लिए सहायता

बजट में फसल के उपरांत मूल्य संवर्धन, घरेलू खपत को बढ़ाने तथा खाद्यान्न उत्पादों की घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ब्रांडिंग करने के लिए प्रावधान किया गया है।

तिलहनों के उत्पादन के लिए योजना

घरेलू तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए समग्र योजना के कार्यान्वयन की घोषणा की है। तिलहनों के आयात पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए तिलहनों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के उद्देश्य से एक तर्कसंगत और व्यापक योजना लागू की जाएगी।

खाद्य प्रसंस्करण

फलों और सब्जियों की उपयुक्त किस्मों को अपनाने तथा उत्पादन और फसल कटाई की यथोचित तकनीक का प्रयोग करने के लिए किसानों की सहायता करने हेतु केंद्र सरकार, राज्यों सरकारों की भागीदारी से एक व्यापक पैकेज प्रदान करेगी। राज्यों को अपने कृषि विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में संशोधन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि वे प्राकृतिक, जीरो-बजट और ऑर्गेनिक कृषि, आधुनिक कृषि, मूल्य संवर्धन एवं प्रबंधन की ज़रूरतों को पूरा कर सकें ।

-संगीता शर्मा

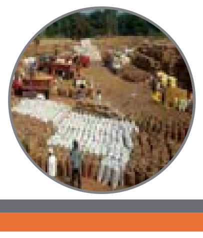

हरियाणा सरकार द्वारा 28 मार्च से सरसों 5,050 रुपए प्रति क्विंटल, चना 5,230 रुपए और सूरजमुखी 6,015 रुपए प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद करेगी।

हरियाणा में वर्तमान में बुजुर्गों को 2,500 रुपए पेंशन दी जा रही है जो कि अन्य राज्यों की तुलना में काफ़ी ज़्यादा है। हरियाणा की अपेक्षा कांग्रेस शासित पंजाब में बुजुर्गों को केवल 1500 रुपए पेंशन मिलती है।

केंद्रीय बजटः हरियाणा के विकास को मिलेगी गति

आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22: एसडीजी इंडेक्स में हरियाणा अग्रणी राज्य

संगीता शर्मा

सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी इंडेक्स) के अंतर्गत आने वाले सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में हरियाणा निरंतर प्रगति कर रहा है। इसी का नतीजा है कि नीति आयोग एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2020-21 में हरियाणा देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। 2019 से स्कोर में सुधार के मामले में दस अंकों की वृद्धि के साथ हरियाणा 2020-21 में शीर्ष स्थान पर है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण 2021-22 के दौरान हरियाणा की तारीफ़ की, जोकि प्रशंसनीय है।

एसडीजी लक्ष्यों-2030 को प्राप्त करने के लिए हरियाणा अग्रसर

प्रत्येक राज्य के लिए एसडीजी इंडेक्स विकास प्राथमिकताएं निर्धारित की गई हैं, जिसके तहत उन्हें वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 17 लक्ष्य दिए गए हैं। एसडीजी लक्ष्यों 2030 को प्राप्त करने के लिए निर्धारित सभी मानकों को राज्य में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल का कहना है कि राज्य सरकार के प्रशासनिक अधिकारी निश्चित रूप से एसडीजी के तहत निर्धारित लक्ष्यों को हासिल कर हरियाणा को विकास के पथ पर आगे ले जाएंगे।

हरियाणा में नल से जल पहुंचा हर घर द्वार

आर्थिक सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2021-22 में हरियाणा ने जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत नल जल आपूर्ति के साथ 100 प्रतिशत घरों की प्रतिष्ठित स्थिति हासिल की है। हालांकि यह लक्ष्य 2024 तक पूरा करना था, लेकिन मुख्यमंत्री मनोहर की दूरदर्शी सोच के साथ हरियाणा सरकार ने इस लक्ष्य को 2022 तक पूरा करने का निर्णय लिया। अब सरकार का अगला लक्ष्य दिसंबर 2022 तक समूचे हरियाणा में 55 लिटर प्रति व्यक्ति स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाना है। हरियाणा सरकार ने जल से जुड़ी समस्याओं जैसे नए कनेक्शन, जल आपूर्ति और गुणवत्ता से जुड़ी शिकायतों के तुरंत निपटान के लिए 'उमंग' और 'सरल ऐप' के साथ टोल फ्री नंबर 1800 180 5678 की सुविधा आमजन को उपलब्ध करवाई है।

2019 में हुई थी जल जीवन मिशन की शुरुआत

उल्लेखनीय है कि अगस्त 2019 में शुरू किए गए 'जल जीवन मिशन' (जेजेएम) ने वर्ष 2024 तक ग्रामीण भारत के सभी घरों में व्यक्तिगत घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से पर्याप्त सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने की कल्पना की है। वर्ष 2019 में ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग 18.93 करोड़ परिवारों में से लगभग 3.23 करोड़ (17 प्रतिशत) ग्रामीण परिवारों के घरों में नल जल कनेक्शन थे। 2 जनवरी 2022 तक 5,51,93,885 घरों को मिशन की शुरुआत के बाद से नल जल आपूर्ति प्रदान की गई। हरियाणा सहित छह राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने नल जल आपूर्ति के साथ 100 प्रतिशत घरों की प्रतिष्ठित स्थिति हासिल की है।

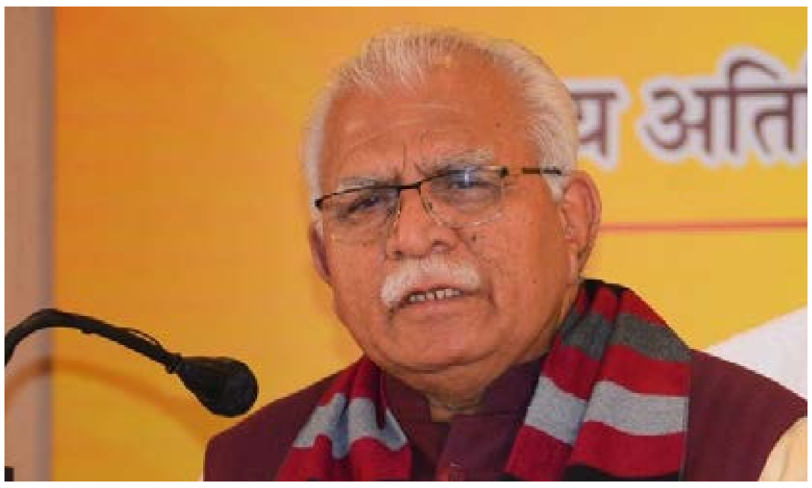

25 वर्ष तक विशेष दिशा तय करेगा बजट

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए वर्ष 2022-23 के बजट में डिजिटलाइजेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर पर ज़ोर दिया गया है। यह बजट किसान, रोज़गार, शिक्षा और स्वास्थ्य सहित हर क्षेत्र व हर वर्ग के कल्याण का बजट है। उन्होंने कहा कि अगले 25 वर्ष तक विशेष दिशा तय करने के लिए इस बजट में बहुत-सी चीजें लागू की गई हैं ताकि भविष्य की नींव रखी जाए और सतत् विकास लक्ष्य की पूर्णता की ओर बढ़ सकें।

आईटी क्षेत्र में विशेष ध्यान

उन्होंने कहा कि आज दुनिया प्रौद्योगिकी के युग की तरफ़ बढ़ रही है, इसलिए सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र की ओर विशेष ध्यान दिया गया है। इसी प्रकार बजट में अवसंरचना पर भी जोर दिया गया है। पूंजीगत व्यय बड़ी मात्रा में तय किये गए हैं, क्योंकि पूंजीगत व्यय जितना अधिक होगा उतना ही देश मज़बूत बनेगा। पूंजीगत व्यय अधिक होने से देश की अर्थव्यवस्था भी सुदृढ़ होगी। मनोहर लाल ने कहा कि बजट में पर्यावरण पर भी अधिक बल दिया गया है। आज पूरी दुनिया इस विषय पर सोच रही है कि जीवन कैसे प्रदूषण मुक्त हो। इस क्षेत्र के लिए भी बजट में प्रावधान किया गया है। बजट में युवाओं के लिए रोज़गार की बात कही गई है। इसके अलावा, कर्मचारियों का भी ध्यान रखा गया है।

प्रदेशों को मिलेगा दीर्घकालिक ऋण

बजट में प्रदेशों को दीर्घकाल के लिए 1 लाख करोड़ रुपए बिना ब्याज के ऋण के तौर पर दिए जाने की बात कही गई है, ताकि प्रदेश किसी भी तरह की आर्थिक स्थिति से निपट सकें और अपने कार्यों को ठीक से पूर्ण कर सके।

अब तक का सबसे ज़्यादा जीएसटी कलेक्शन

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले एक माह का जीएसटी कलेक्शन 1 लाख 40 हजार करोड़ रुपए हुआ है, जो अपने आप में महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह अब तक का सबसे ज़्यादा कलेक्शन है। इसके लिए देश की जनता के साथ-साथ केंद्र सरकार और सभी विभाग बधाई के पात्र हैं।

राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क को 25 हजार किलोमीटर तक बढ़ाने का लक्ष्य

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम गति शक्ति के तहत एक्सप्रेस मार्ग के लिए योजना बनाई है। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क को 25 हजार किलोमीटर तक बढ़ाया जाएगा। जितना इंफ्रास्ट्रक्चर मज़बूत होगा उतना ही रोज़गार के अवसर बढ़ेंगे। आत्मनिर्भर भारत की योजनाओं के क्रियान्वयन से 60 लाख लोगों को रोज़गार मिलने वाला है।

रोज़गार पर अधिक ज़ोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूंजीगत व्यय के नाते से जितने अधिक प्रोजेक्ट आएंगे उनसे स्थाई रोज़गार जनता को मिलेगा। बजट से हरियाणा को भी अपना हिस्सा मिलेगा और सभी परियोजनाओं के माध्यम से रोज़गार मुहैया कराएंगे। इसके अलावा, शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास पर भी ज़ोर दिया जा रहा है ताकि युवा रोज़गार योग्य बन सके। हरियाणा सरकार ने विदेश सहयोग विभाग का गठन किया है, जिसके सहयोग से विदेश में मैनपावर की आवश्यकता के अनुसार युवाओं का कौशल विकास कर उन्हें विदेश में भेजने की योजना है।

केंद्रीय बजट वर्ष 2022-23 युवाओं के लिए रोज़गार के अवसर पैदा करने वाला तथा उद्योगों व एमएसएमई सेक्टर के लिए सकारात्मक है। बजट भारत के जन-जन के भविष्य की आकांक्षाओं व आशाओं को पूर्ण करने वाला है। कृषि व ग्रामीण विकास, डिजिटल करेंसी, एमएसएमई, इंफ्रास्ट्रक्चर और अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने वाला है। कोविड के समय में किसी भी प्रकार की टैक्स बढ़ोतरी का ऐलान नहीं किया गया, जो सुखद है।'

दुष्यंत चौटाला, उपमुख्यमंत्री, हरियाणा

अतिरिक्त ऋण होगा मुहैया

केंद्रीय बजट में विभिन्न प्रकार के अनुप्रयोगों के माध्यम से 'ड्रोन शक्ति' की सुविधा प्रदान करने और ड्रोन-एएस-ए-सर्विस के लिए स्टार्टअप को बढ़ावा देने की बात कही गई है, इससे हरियाणा को काफ़ी लाभ होने की उम्मीद है। बजट में आपातकालीन ऋण लाइन गारंटी योजना के तहत 130 लाख से भी अधिक एमएसएमई को अत्यंत आवश्यक अतिरिक्त ऋण मुहैया कराया गया है, जिससे उन्हें महामारी के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने में मदद मिलेगी। ईसीएलजीएस की अवधि मार्च 2023 तक बढ़ा दी गई है। बजट में आवश्यक धनराशि मुहैया कराकर सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए ऋण गारंटी ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई) योजना में संशोधन करने के प्रस्ताव का भी समर्थन किया और कहा कि इससे सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को 2 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त ऋण सुलभ होगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

कौशल विकास पर ज़ोर

केंद्रीय बजट में 'कौशल विकास एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा' देने पर बल दिया गया है और इससे विभिन्न अनुप्रयोगों के ज़रिए 'ड्रोन शक्ति' को सुविधाजनक बनाने के साथ-साथ 'एक सेवा के रूप में ड्रोन (डीआरएएएस)' के लिए स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिलेगा। चुनिंदा आईटीआई में कौशल बढ़ाने के लिए आवश्यक पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। बजट के अनुसार व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में आवश्यक चिंतन-मनन को बढ़ावा देने वाले आवश्यक कौशल को प्रोत्साहन देने, रचनात्मकता की गुंजाइश के लिए विज्ञान एवं गणित में 750 वर्चुअल प्रयोगशालाएं और उन्नत शिक्षण माहौल के लिए 75 कौशल ई-लैब वर्ष 2022-23 में स्थापित की जाएंगी। इससे उद्योगों को कौशलयुक्त युवा उपलब्ध होंगे।

हरसमय
Citizen Portal of Haryana Police

सीसीटीएनएस प्रणाली के तहत, नागरिक पोर्टल - हर समय और कोर एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर शुरू किए गए हैं। पोर्टल के माध्यम से हरियाणा के नागरिकों को कुल 39 सेवाएं सेवा के अधिकार के तहत प्रदान की जा रही हैं।

हरियाणा सरकार द्वारा शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए गत सात वर्ष के दौरान 68 नए राजकीय महाविद्यालय स्थापित किए गए हैं। जिनमें से ज़्यादातर महिलाओं के महाविद्यालय है।

ऋतु ही नहीं, उल्लास का नाम है बसंत

बसंत जीवन में पुलक और उल्लास का प्रतीक बनकर आता है और हमारे जीवन की त्रासदी यह है कि हमारे जीवन से पुलक और उल्लास का अहसास कहीं खोता जा रहा है। ऐसा नहीं है कि हम उत्सव नहीं मनाते, ऐसा भी नहीं है कि कोशिश नहीं होती कि हम जीवन के अभावों और उसकी विसंगतियों को भुलाने की कोशिश करें, पर यह सचाई भी है कि जीवन में उल्लास अक्सर खोजना पड़ता है, और अक्सर यह उल्लास हाथों से फिसल-फिसल जाता है। लेकिन सचाई यह भी है कि इस उल्लास को तलाशने और हाथों से फिसल जाने से रोकने की कोशिशें ही जीवन को कुछ जीने योग्य बनाती हैं, इन्हीं कोशिशों से जीवन में कुछ रस आता है। यह रस इसलिए ज़रूरी है, क्योंकि इसका होना ही जीने को अर्थ और जीने की प्रेरणा भी देता है। आने वाले कल को आज से बेहतर बनाने के लिए, प्रयत्नशील और आशावान बने रहने के लिए रागात्मकता और उल्लास का भाव ही प्रेरित करता है।

बसंत ऋतु के साथ जुड़ी भावनाओं की वैज्ञानिकता के बारे में तो विषय के विद्वान ही कुछ बता सकते हैं, पर यह सही है कि ऋतुएं हमारे सोच और हमारी मानसिकता, दोनों को प्रभावित करती हैं। हम ऋतुओं से प्रेरित भी होते हैं और उनके संकेतों के अनुसार अनायास ही आचरण भी करने लगते हैं। भीतर से कुछ उमगता-सा है। तब कोई एक फूल पूरे बसंत का प्रतीक बन जाता है, तब कमरे में ज़बर्दस्ती घुसने वाला कोई हमें मनचाहा अतिथि लगने लगता है, जिसकी प्रतीक्षा हम अनजाने में करते रहते हैं। चाहते हैं कि जीवन में कुछ ऐसा हो जो जीवन जीने की इच्छा जगाये। ज़रूरी है इस अहसास का होना- और इसे जीना भी ज़रूरी है, सारे अभावों के बावजूद जीवन में उत्साह को बनाये रखना ताकि जीवन चले, घिसटे नहीं. बसंत जैसी ऋतु के माध्यम से प्रकृति हमारी उंगली पकड़कर हमें उस राह पर खड़ा करती है जो हमें चलने का अहसास भी देती है।

आज जीवन जैसा शुष्क और शुष्कतर बनता जा रहा है, उसमें यह ज़रूरी हो चला है कि हम गमलों में बसंत खिलाने की कोशिश करें। हमारी विडम्बना यह भी है कि हममें से बहुतों को हमारे आस-पास खिले पेड़ों -फूलों-पौधों के नाम तक भी नहीं पता जिन्हें देखकर हमारे मन में यह भाव आता है कि कितने सुंदर पेड़ - फूल हैं। जिन्हें देखकर कोई कली हमारे भीतर भी चटकती है. कली का चटकना ही हमारे मन में हज़ारों तितलियों को देखने का वह भाव भर जाता है जो एक पल के लिए ही सही, जीवन जीने की लालसा और जीवन की सार्थकता, दोनों को परिभाषित करता है. इसी तरह, जब कोई वासंती एहसास हमें कहीं छूता है, एक पुलकन-सी उमड़ती है भीतर। ज़रूरी भी है कि हम इस पुलक को महसूसें. आज जिस तरह का जीवन हम सबका बन गया है उसे देखते हुए यह भी ज़रूरी है कि जब कोई वसंत आये तो हम अपने भीतर यह अहसास जगाने की कोशिश करें कि यह वसंत आना ही चाहिए था। यह बसंत किसी ऋतु का नहीं, उस उल्लास का नाम है जो सांसों को सुरभित कर जाता है। आइए, इस उल्लास को बांहों में समेटें ताकि जीना बोझ न लगे। भले गमले में ही उगायें ! लेकिन आइए बसंत उगाएं।

हिन्दू पंचाग के अनुसार वसंत ऋतु का आगमन हर वर्ष माघ महीने की शुक्ल पंचमी को होता है। यानी फरवरी मास के द्वितीय पक्ष या मार्च महीने के प्रथम पक्ष में पड़ती है। वैसे वसंत का आगमन ही त्यौहारों के साथ होता है। सरस्वती पूजन से शुरू हुआ वसंतोत्सव शिवरात्री पर शिव की स्तुति एवं रंगों के त्यौहार होली से अपने चरम पर होता है। होली वैसे तो मार्च में मनाई जाती है किन्तु इसका उत्साह लोगों में काफी पहले से देखने को मिलता है। इसके अलावा नवरात्री पर मां दूर्गा उत्सव तो दूसरी तरफ रामनवमी, हनुमान जयंती मनाई जाती है। भारतीय संगीत कला में भी वसंत को अहम स्थान दिया गया है। संगीत में एक विशेष राग वसंत के नाम पर मनाया गया है। जिसे राग वसंत कहते हैं।

-सुरेंद्र बांसल

सुण छबीले बोल रसीले

ब्याह-शादी तैं पहल्यां कैरियर जरुरी

रमलू के बाबू, छोरी ईमला सिवासण होगी सै, ईब कितोड़ रिश्ते की बात कर ले।

छबीला बोल्या- ईमला की मां, तगाजा मत कर, बालक ईबै पढ़ैं सैं उननै पढ़ण दे। टेम आवैगा जिब सारे काम होज्यांगे।

रमलू के बाबू हाम गरीब आदमी सैं, न्यू कहा करैं अक गरीब आदमी नै आपणी छोरी के हाथ जितणा तावला हो, पीले कर देणे चाहिए।

- ये पराणी बात हो ली भागवान। ईब वो ज़माना गया। बालक ईब आपणे कैरियर पै ध्यान दे सैं। ब्याह शादी पै ना देते। म्हारी जातकी नै तो ईबै प्लस टू करी सै। बीए-एमए करण दे, कोय कोर्स करण दे। फेर सोचांगे रिश्ते के बारे में।

- मनैं तो डर लागे जा सै रमलू के बाबू, अक लोग के कहैंगे।

- भागवान पहली बात तो यो सै, अक लोग कुछ ना कहते, तूं आपो आप ना दिमाग नै फालतू चलाया कर। दूसरी बात यो सै अक जै कुछ कहते भी हों तो उन कान्या ध्यान नहीं देणा चाहिए। आपणे काम तैं काम राखो और बालकां कानी ध्यान देते रहो।

-रमलू के बाबू लोगां की तो देखी जा, पर लुगाइयां नै घणी बात आवैं सैं। कितो ए बैठकै धड़ी-धड़ी की बात मार दे सैं। फलाणी न्यूं-धकड़ी न्यूं।

- भागवान मनैं कही सै ना आपणा आपो दिमाग ना चलाया कर। हाम सही सैं तो सब सही सैं। जो आदमी खुद गलत हो सै उसनै सब आपणे जिसे दिख्या करैं। न्यू कहा करैं जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि। किसे के बारे में कुछ गलत नहीं कहणी चाहिए। ना सोचणी चाहिए। गलत सोचण तैं आगले का नुकसान तो के भरा ना हो, पर सोचण आले का जरुर होण लागज्या सै। किसे की पीछे तैं बुराई भी नहीं करणी चाहिए। जो गलत बोलता हो तो उसनै एक दो बार टोक दे। फेर भी ना मानैं तो उसतैं टल ले।

- रमलू के बाबू, बालकां के रिश्ते तो करणे सैं, आज नहीं तो कल।

- भागवान बालकां के रिश्ते करणा कोय बडी उपलब्धि कोन्या होती। उपलब्धि हो सै उनका कैरियर, उनकी नौकरी, रोजगार, आच्छा स्वास्थ्य, उनके आच्छे संस्कार, आच्छी उठ-बैठ। बालकां में ये चीज़ होंगी तो रिश्ते आपणे आप होज्यांगे। और उनमें ये चीज जिबै होंगी जिब हाम सही होंगे। म्हारा रहन सहन, बोल-चाल, ईमानदारी, घर ग्रहस्थी आदि।

रमलू की मां तूं देखै सै अक हाम बालकां तैं बराबर बात करते रह सैं। उनके साथ मित्रता वाला व्यवहार करैं सैं। गलत चाल चलन तैं सख्त परहेज करैं। अच्छी बात करैं और अच्छी राय दें। संस्कार आपणे आप बढ़िया बणगे। इसलिए उननै ईबै मन लगाकै पढ़ण दे। रिश्ते विश्ते की बात तो उनके साथ करणी भी नहीं चाहिए। बस कैरियर की बात करो।

भागवान देखती नहीं, देश की छोरी और छोरे पढ़ाई करण में जुटे पड़े सैं। और फेर न्यू कहा करैं- जिंदगी में संघर्ष तो करणा पड़ै सै। चाहे पहल्या करल्यो या पाछै करल्यो। जो जवानी में संघर्ष कर लेगा वो साबत जिंदगी मौज़ करैगा। और जो ईब मटर गश्ती में दिन खो देगा वो सारी जिंदगी बिरान रहैगा।

- रमलू के बाबू, मनैं जिक्रा न्यू थोड़ा करया था अक मेरी क्लास लेण लागज्याइये। बालकां नै पढ़ा ले, मैं तो राजी सूं। पढ़ण लिखण का फायदा ए सै। पढ़ी लिखी जातकी नै सुसराड़ में कोय ऊंची आवाज में बात नहीं करता। सब हिचकैं सैं। देर सबेर वो खुद भी कामयाब होज्या सै और पूरे परिवार नै कामयाबी की राह पै ल्या दे सै।

- मैं न्यूए तो कहूं सूं भागवान, और फेर हरियाणा सरकार नै छोरियां की शिक्षा खातिर खूब स्कीम चला राखी सैं। मुफ्त पढ़ाई हो सै। किताब, कापी, ड्रेस, वजीफा सब तरियां की सुविधा मिलै सै। कालेज में जाण खातिर ईब गाम तैं घणी दूर भी कोन्या जाणा। हर दस कोस के एरिये में कालेज सैं। बसां में फ्री पास की सुविधा सै। कुल मिलाकै सरकार की तरफ तैं कोय कमी कोन्या, बालकां में पढ़ण की लगन होणी चाहिए।

- ठीक सै रमलू के बाबू, ईसै बात पै तेरे खातिर दो घूंट चाय बणा ल्याऊं सूं।

- मनोज प्रभाकर

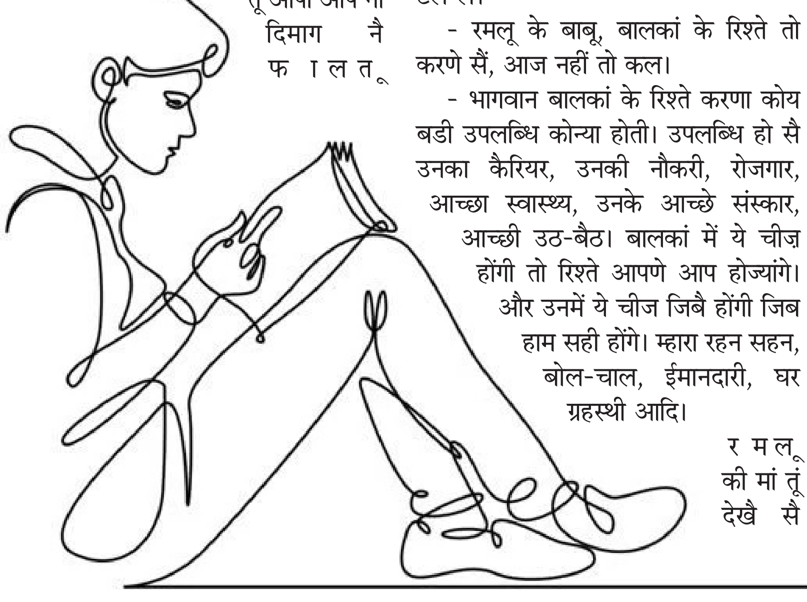

आओ गाएं गाथा दिल से

आओ गाएं गाथा दिल से,
हरियाणा की शान की ।
बात करें महिमा, गरिमा की,
आन, बान और शान की ।
दुनिया जिसका लोहा माने,
वो अपना हरियाणा है ।
सदा यहां के वीरों ने
सरहद पर सीना ताना है ।
ध्वजा नहीं झुकने देंगे,
मिल कर यह ठाना है ।
देशभक्ति का ही हर दिल में
बुनता ताना बाना है ।
प्राणों की बाजी से रक्षा,
की है हिन्दुस्तान की ।
आओ गाएं गाथा दिल से
हरियाणा के शान की ।
हरियाणा की गाय देश में,
रखती अपना मान है ।
गौ सेवा में सदा अग्रणी,
दूध दही की खान है ।
लहराती फसलों में गूंजे,
कृषि उन्नति की तान है ।
रिमझिम बूंदों की सरगम पर
गाता गीत किसान है ।
सीना चौड़ा हो जाता जब
पग लहराती धान की ।
आओ गाएं गाथा दिल से
हरियाणा के शान की ।
यहां खिलाड़ी ओलंपिक में,
अपना नाम कमाते हैं ।
व्यापारी भी हरियाणा के,
देश देश तक जाते हैं ।
यहां प्रकृति की सुषमा सुंदर,
झीलें, पोखर व नारा हैं ।
स्वच्छ-शीत जल सिंचन करतीं,
बहती अमृत धारा हैं ।
इस माटी में पैदा होती
बेटी देश महान की ।
आओ गाएं गाथा दिल से
हरियाणा के शान की ।

राज बाला 'राज'
राजपुरा (हिसार)

डॉ अमित अग्रवाल, भा.प्र.से. प्रबंध निदेशक, संवाद (सूचना जन संपर्क एवं भाषा विभाग) हरियाणा द्वारा हरियाणा सरकार के लिए कमरा नं. 314, दूसरी मंजिल, लघु सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला से प्रकाशित।
कार्यालय : संवाद सोसायटी एससीओ 23, पहली मंजिल, सेक्टर 7, चंडीगढ़ फोन : 0172-2723814, 2723812 email : editorsamvad@gmail.com